प्रकाशन तिथि : 15 जून, 2023
प्रेषण तिथि : 19 जून, 2023

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2021-23
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 27 | अंक 07 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

पति-पत्नी के समान हों मूल्य और आदर्श: संरक्षक श्री

(बाड़मेर के आलोक आश्रम में संपन्न हुआ दंपती शिविर)

धर्म और कर्तव्य में कोई फर्क नहीं होता है। कर्त्तव्य ही पूजा है। पति और पत्नी दोनों मिलकर ही अपने कर्तव्य का पालन कर सकते हैं। इसलिए दोनों के मूल्य, आदर्श, गुण आदि समान होने आवश्यक हैं। श्री क्षत्रिय युवक संघ के दंपती शिविर का उद्देश्य है चरित्र का निर्माण करना। दंपती शिविर का औचित्य तब सिद्ध होता है जब हम वास्तविक कार्यक्षेत्र यानी संसार में जाकर यहां मिले शिक्षण के अनुरूप जीवन जीते हैं। जब काम, क्रोध, मद, मोह, लोभ, ईर्ष्या हमारे जीवन में ना रहें। पति-पत्नी दोनों एक दूसरे को सदैव मर्यादा की सीमाओं के बारे में बताते रहें और एक दूसरे के कर्त्तव्य के पालन में सहयोग करें। उपर्युक्त बात माननीय संरक्षक महोदय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर ने बाड़मेर के आलोक आश्रम में आयोजित दंपती शिविर में उपस्थित दंपतियों से चर्चा करते हुए कही। उन्होंने कहा कि ईश्वर की उपासना के लिए मन का निर्मल होना आवश्यक है। जिस प्रकार से मंदिर पवित्र होता है ठीक उसी प्रकार हमारा अंतर्मन भी पवित्र होगा तो साधना का मार्ग सुगम हो जाएगा। जिस दिन हमारा जन्म होता है, उसी दिन से हमारी मृत्यु का दिन भी तय हो जाता है। जिस प्रकार पति-पत्नी मित्र हैं उसी प्रकार सुख-दुख भी हमारे मित्र हैं। सदैव सुख नहीं रहता, उसे दुख में परिणत होना ही पड़ेगा। भगवान सुख का सागर है। वह हमारे हृदय में है, फिर भी हमें दुख का सामना तो करना ही पड़ेगा क्योंकि प्रकृति परिवर्तनशील होती है। सुख और दुख आते ही रहेंगे। जब भी दुखी हों तो जरूर श्री क्षत्रिय युवक संघ के शिविरों में आएं। कम से कम कुछ दिन तो सुख मिलेगा। संसार में सुख और दुख स्थाई नहीं है। हमारी कामना और इच्छा ही दुखों का कारण है। यह कामना मृगतृष्णा है जो दूर से झिलमिलाती हुई अच्छी लगती है और जब हम उसके पास पहुंचते हैं तो वह मृगतृष्णा पुनः आगे ही दिखाई देती है।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

आप पायनियर्स हैं, यह बात भूलें नहीं: संरक्षक श्री

(भाल पर तिलक लगाकर दी कर्मक्षेत्र में प्रस्थान को विदाई)

हमारी आंखों में आंसू हैं लेकिन आंसू बहाने से काम नहीं चलेगा। हमारी परंपरा कहती है कि हमारी आंखों में लाल डोरे होने चाहिए। दुनिया में जो कुछ घट रहा है, जिस प्रकार त्रस्त प्राणी वेदना से करुण क्रंदन कर रहे हैं, क्या वह हमको दिखाई दे रहा है? यदि दिखाई पड़ रहा है तो उसके प्रति आक्रोश हममें दिखना चाहिए। हम भाग्यशाली हैं कि तनसिंह जी का दुनिया को दिया गया संदेश हमने सुना है, धारण किया है। जयपुर के इस विशाल भवानी निकेतन के प्रांगण में हम इतने दिन रहे हैं, विपरीत परिस्थितियों में भी हम डटे रहे क्योंकि हमने यही शिक्षा प्राप्त की है। भारतवर्ष यदि पुनः अपने गौरव को प्राप्त करेगा तो उसके हरकारे आप ही होंगे। आप पीछे चलने वाले नहीं हैं, आप पायनियर्स हैं, आगे चलने वाले और नेतृत्व करने वाले हैं, इस बात को कभी भूलें नहीं। इस विदा के क्षण में यदि हम यह याद रख सकें तो अवश्य रखें। यह प्रकृति भी आप लोगों को देख रही है कि कैसे अनूठे सिपाही हैं जो बिना सिर के जूझने वाले पूर्वजों की तरह साधनों से रहित होकर भी संसार को जीतने के लिए चले हैं। हमारा अभियान दिग्विजय है लेकिन लोगों को कुचलकर नहीं, लोगों के दिलों को जीत कर। जिस प्रकार से हमने हीरक जयंती मनाई, आगामी कुछ दिनों बाद हम तनसिंह जी साहब की जन्म शताब्दी भी मनाएंगे और वह आयोजन एक ऐसा प्रमाण होगा जो बताएगा कि पूज्य तनसिंह जी ने कौन सा मंत्र हमारे अंदर फूंक दिया, जिससे हम अनुशासित हो गए।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

प्रो. आर एस खंगारोत को मिला 'ऑर्ड्रे डेस पाल्म्स' अवॉर्ड

जयपुर निवासी इतिहासकार प्रोफेसर आर एस खंगारोत को फ्रांसीसी दूतावास द्वारा प्रदान किया जाने वाला सबसे पुराना व सर्वोच्च सिविलियन अवार्ड 'ऑर्ड्रे डेस पाल्म्स' (एकेडमिक्स) से सम्मानित किया गया है। फ्रांसीसी राजदूत इमैनुएल लेनेन द्वारा उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया गया। (शेष पृष्ठ 4 पर)

धर्मेंद्र सिंह शेखावत बने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के निदेशक

जयपुर निवासी चार्टर्ड अकाउंटेंट धर्मेंद्र सिंह शेखावत को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का निदेशक नियुक्त किया गया है। भारत सरकार द्वारा गजट नोटिफिकेशन जारी कर देश भर में चार निदेशक नियुक्त किए गए हैं जिनमें से शेखावत एक है। इनकी नियुक्ति 3 वर्ष के लिए की गई है। (शेष पृष्ठ 4 पर)

अर्जुन सिंह राठौड़ बने मेजर जनरल

पाली जिले की सोजत तहसील के बागावास गांव के निवासी अर्जुन सिंह राठौड़ भारतीय सेना में मेजर जनरल के रूप में नियुक्त हुए हैं। वे अपनी कर्त्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, मेहनत और रणनीतिक कुशलता से ब्रिगेडियर के पद से पदोन्नत होकर इस पद पर पहुंचे हैं।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

विभिन्न संभागों व प्रांतों में कार्ययोजना बैठकें संपन्न

ग्रीष्मकालीन उच्च प्रशिक्षण शिविर के बाद प्रारंभ नए सत्र हेतु कार्ययोजना बनाने के उद्देश्य से विभिन्न संभागों में संभागीय बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, नागौर, मेवाड़-मालवा, मेवाड़-वागड़ व शेखावाटी संभाग की बैठकें हाल ही में आयोजित हुई।

बाड़मेर की संभागीय बैठक आलोक आश्रम में संपन्न

बाड़मेर संभाग की बैठक 4 जून को भारतीय ग्राम्य आलोकायन ट्रस्ट द्वारा संचालित आलोक आश्रम में आयोजित हुई। बैठक में बाड़मेर संभाग के चारों प्रांतों बाड़मेर शहर, चौहटन, गुडामालानी एवं शिव के 100 से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया। संभाग प्रमुख महिपाल सिंह चूली ने विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करते हुए पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह में संभाग से अधिकाधिक सहभागिता की बात कही। जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त पूर्व संघ प्रमुख नारायणसिंह रेड़ा की जयंती, वीर दुगार्दास राठौड़ की जयंती व रक्षाबंधन के अवसर पर प्रत्येक प्रांत में कार्यक्रम आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में वरिष्ठ स्वयंसेवक देवी सिंह माडपुरा, राम सिंह माडपुरा, कृष्ण सिंह राणीगांव सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

मध्य गुजरात संभाग की बैठक काणेटी में संपन्न

मध्य गुजरात संभाग की कार्ययोजना बैठक 11 जून को काणेटी प्राथमिक शाला में संपन्न हुई। कार्यक्रम में पिछले 6 माह में किये गये कार्य की समीक्षा की गई। आगामी कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए दिसंबर माह तक 4 शिविर तय किये गये जिनमें एक बालिका शिविर काणेटी में, बालकों के तीन शिविर अडास जी आणंद (चरोतर प्रांत), शिहोर (अहमदाबाद ग्राम्य प्रांत) व अहमदाबाद शहर (अहमदाबाद प्रांत) में आयोजित किए जाएंगे। पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त संभाग में होने वाले 3 बड़े कार्यक्रमों पर भी चर्चा की गई तथा तदनुरूप दायित्व सौंपे गए। सितंबर व जनवरी माह में दिल्ली में प्रचार-प्रसार के लिये टीम बनाई गई। संभाग प्रमुख अणदुभा काणेटी व अन्य सहयोगी बैठक में उपस्थित रहे। अंत में स्नहभोज भी रखा गया।

तनाश्रम (जैसलमेर) में जैसलमेर संभाग की बैठक संपन्न

जैसलमेर स्थित संभागीय कार्यालय तनाश्रम में 3 जून को

सत्र 2023-24 की प्रथम संभागीय बैठक आयोजित हुई। इसमें रामगढ़, झिनझिनयाली, म्याजलार, चांधन व जैसलमेर शहर प्रांत के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। बैठक में जयपुर स्थित भवानी निकेतन में मई में आयोजित उच्च प्रशिक्षण शिविर के दौरान दिए गए दायित्व व आगामी कार्ययोजना के संबंध में चर्चा की गई। जनवरी माह में पूज्य तनसिंह जी की 100वीं जयंती को लेकर जैसलमेर संभाग में स्नेहमिलन, शिविर, संपर्क यात्राएं व संगोष्ठियां आयोजित करने के संबंध में चर्चा हुई। इस पूरे सत्र में कार्य करने के लिए अलग-अलग प्रकोष्ठ बनाए गए व स्वयंसेवकों को उनकी जिम्मेदारी दी गई। जैसलमेर शहर व रामगढ़ प्रांत में 15-15 छोटे कार्यक्रम व एक-एक बड़ा कार्यक्रम शताब्दी वर्ष के निमित्त आयोजित करने का निर्णय लिया गया। झिनझिनयाली प्रांत में जहां-जहां संघ के शिविर लगे हैं, वहां पर संघ तीर्थदर्शन कार्यक्रम आयोजित होंगे। चांधन प्रांत में प्रत्येक गांव में छोटे-छोटे स्नेहमिलन व एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय हुआ। स्नेहमिलन में सम्भाग प्रमुख तारेंद्रसिंह झिनझिनयाली, वरिष्ठ स्वयंसेवक बाबू सिंह बैरसियाला, गंगा सिंह तेजमालता, गोपाल सिंह रणधा, साँवलसिंह मोढा, पदम सिंह रामगढ़, हरि सिंह बैरसियाला, जितेंद्र सिंह पारेवर, कोजराज सिंह सोनू, शैतान सिंह झिनझिनयाली, रतन सिंह बडोड़ागांव अन्य स्वयंसेवकों सहित उपस्थित रहे।

पोकरण-रामदेवरा और चित्तौड़गढ़ की प्रांतीय बैठक संपन्न

श्री क्षत्रिय युवक संघ के पोकरण व रामदेवरा प्रांत का संयुक्त प्रांतीय स्नेहमिलन कार्यक्रम स्थानीय श्री दयाल राजपूत छात्रावास में 4 जून को सम्भाग प्रमुख तारेंद्रसिंह झिनझिनयाली की उपस्थिति में आयोजित हुआ जिसमें दोनों प्रांतों के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। स्नेहमिलन में जयपुर में आयोजित उच्च प्रशिक्षण शिविर के दौरान दिए गए दायित्व व आगामी कार्ययोजना के संबंध में चर्चा की गई। पूज्य तनसिंह जी की 100वीं जयंती की तैयारियां करने, शिविरों के आयोजन व अन्य क्षेत्र में संघ के प्रचार-प्रसार व विस्तार की योजना बनाकर स्वयंसेवकों को अलग-अलग प्रभार सौंपे गए। पोकरण व रामदेवरा प्रांत में दो बड़े कार्यक्रम आयोजित करने के संबंध में भी चर्चा हुई। 17 जून को सीमा सद्भावना कार्यक्रम नाचना समिति के अवाय ग्राम पंचायत में मनाना भी तय हुआ। पोकरण नगर में छोटे-छोटे कार्यक्रम आयोजित करने व इसी के साथ निजी छात्रावासों में शाखाएं लगाना, ग्रामीण क्षेत्रों में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित करने, रामदेवरा प्रांत में एक बालिका प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने व क्षेत्र के प्रत्येक गांव में स्नेहमिलन और संपर्क यात्राओं के आयोजन की योजना बनाई गई। स्नेहमिलन के बाद सहायक अभियंता जलदाय विभाग से सेवानिवृत्त हुए संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक गणपत सिंह अवाय को शुभकामनाएं दी गई। पोकरण प्रांत प्रमुख नरपत सिंह राजगढ़, रामदेवरा प्रांत प्रमुख अमर सिंह रामदेवरा, वरिष्ठ स्वयंसेवक गिरधारी सिंह धोलिया, गणपत सिंह रामसर, मेराज सिंह सांकड़ा, प्रयाग सिंह भादरिया सहित कई स्वयंसेवक बैठक में उपस्थित रहे।

श्री क्षत्रिय युवक संघ के **चित्तौड़गढ़ प्रांत** की प्रांतीय बैठक

भी शहर स्थित ऋतुराज वाटिका में 4 जून को संपन्न हुई। केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली ने बैठक के विषय की जानकारी दी व भवानी सिंह मुंगेरिया ने पूज्य श्री तनसिंह जन्म शताब्दी वर्ष के तहत की जा रही तैयारियों के विषय में विस्तार से बताया। सहयोगियों हेतु आयोजित होने वाले तीन दिवसीय शिविर की जानकारी भी दी गई। बैठक में आगामी कार्यक्रम यथा - शाखाओं, शिविरों, जयंतियों, संपर्क यात्रा, विशेषांक हेतु विज्ञापन, शताब्दी वर्ष के निमित्त प्रचार प्रसार, सोशल मीडिया का उपयोग, कार्य विस्तार, आनुषंगिक संगठनों श्री प्रताप फाउंडेशन एवं श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की कार्य योजना, संघशक्ति-पथप्रेरक की सदस्यता आदि बिंदुओं पर चर्चा की गई। प्रांतप्रमुख दिलीप सिंह रूद सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। संचालन नरेंद्रसिंह नरधारी ने किया।

पाली, नोखा-कोलायत, अजमेर व मुंबई की बैठकें

पाली प्रांत की प्रांतीय बैठक नाडोल स्थित श्री आशापुरा माता मंदिर के प्रांगण में 11 जून को आयोजित हुई। बैठक में पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के तहत होने वाले कार्यक्रमों की वार्षिक रूपरेखा बनायी गई। इस बैठक में पूरे जिले से सहयोगी उपस्थित हुए। बैठक में 28 जनवरी 2024 को दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होने वाले पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह में पाली प्रांत से 2000 स्वयंसेवकों की संख्या एक विशेष ट्रेन से ले जाने का निर्णय लिया गया और इसके लिए दायित्व सौंपे गए। पाली प्रांत प्रमुख मोहब्बत सिंह धींगाना ने पूरे वर्ष में प्रांत में लगने वाले शिविरों की रूपरेखा बताई। सभी से चर्चा करके बालिका शिविर का स्थान तय किया गया तथा प्रांत में लगने वाली नई शाखाओं के लिए दायित्व दिए गए। महापुरुषों की जयंतियां मनाने पर चर्चा हुई जिसमें बिकाजी सोलंकी, राव सिहा जी, जोर जी चम्पावत और वीर दुर्गा दास राठौड़ की जयंती के कार्यक्रम तय किए गए। संघ के आनुषंगिक संगठन श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य दिग्विजय सिंह कोलीवाड़ा ने फाउंडेशन के पूरे वर्ष के कार्यक्रम के बारे में बताया और आर्थिक पिछड़ा आरक्षण (EWS) में केंद्र की विसंगतियों के बारे में पूरे प्रदेश में चल रहे अभियान की विस्तृत जानकारी दी और आगामी माह में सरकारी कर्मचारियों की जिला स्तरीय बैठक करवाने का प्रस्ताव रखा। **(शेष पृष्ठ 6 पर)**

क्षत्रिय विद्यार्थी प्रतिभा परीक्षा 2023 का पुरस्कार वितरण एवं मार्गदर्शन कार्यशाला संपन्न

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन और विनकंपीट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित श्री क्षत्रिय विद्यार्थी प्रतिभा परीक्षा 2023 के विजेताओं के पुरस्कार वितरण और सम्मान कार्यक्रम के अवसर पर आयोजित कैरियर काउंसलिंग सेमिनार में बोलते हुए 2020 बैच के गुजरात कैडर के IAS जयंत सिंह ने बताया कि कड़े परिश्रम और सतत तैयारी से किसी का भी आईएएस परीक्षा में चयन हो सकता है। उन्होंने आनलाईन लाईव विद्यार्थियों से संवाद स्थापित किया एवं उनके प्रश्नों व शंकाओं का निवारण किया। सेमिनार में सेना भर्ती बोर्ड के पूर्व निदेशक ब्रिगेडियर हर्षवर्धन सिंह ने NDA और CDS के माध्यम से तीनो सेनाओं में अधिकारी पद पर चयन के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया विषयक मार्गदर्शन दिया।

समारोह में श्री क्षत्रिय विद्यार्थी प्रतिभा परीक्षा 2023 के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। रूपाली शेखावत ने इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए 11 हजार रुपये का पुरस्कार जीता। जनवरी 23 में आयोजित इस ऑनलाइन परीक्षा में विक्रम सिंह ने दूसरा और जसवंत सिंह ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउण्डेशन और विनकंपीट के द्वारा आयोजित इस परीक्षा में कुल तीन हजार से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें प्रथम रहे 33 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया एवं उनको सिविल सेवा की कोचिंग हेतु स्कॉलरशिप का प्रस्ताव दिया गया। कार्यक्रम को विनकंपीट के निमार्ता एवं प्रादेशिक परिवहन अधिकारी प्रकाश सिंह भदरु, राजस्थान लेखा सेवा के अधिकारी दलपत सिंह गुड़ा केशरीसिंह, सारथी कोचिंग संस्थान के निदेशक महेंद्र सिंह भाटी, SKPF के प्रभारी कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा आदि ने भी संबोधित किया। सेमिनार में RAS में चयनित अधिकारियों के पैनल द्वारा युवा अभ्यर्थियों के प्रश्नों का उत्तर और मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इसमें राजस्थान पुलिस सेवा के अधिकारी महावीर सिंह, राजस्थान लेखा सेवा के अधिकारी दिग्विजय सिंह झाला, राजस्थान पुलिस सेवा के अधिकारी हनुवंतसिंह भाटी आदि ने मार्गदर्शन दिया।

स्वतंत्रता सेनानी दलपत सिंह राजवी की प्रतिमा का अनावरण

स्वतंत्रता सेनानी एवं आजाद हिंद फौज में लेफ्टिनेंट रहे दलपत सिंह राजवी की प्रतिमा का अनावरण समारोह उनके पैतृक गांव ढिंगसरी में 1 जून को आयोजित हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि दलपत सिंह जी जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति पूरे राष्ट्र को कृतज्ञ होना चाहिए और हमारी आने वाली पीढ़ी को ऐसे नायकों के जीवन से परिचित करवाना चाहिए जिससे वे भी उनसे प्रेरणा ले सकें। उन्होंने दलपत सिंह जी की स्मृति को चिरस्थाई बनाने के लिए उनकी जीवनी को पाठ्यक्रम में शामिल करवाने के लिए प्रयास करने का भी आश्वासन दिया। प्रतिमा की स्थापना करवाने वाले प्रेम सिंह बाजोर ने कहा कि देश के लिए बलिदान होने वाले शहीदों के प्रति श्रद्धा का भाव रखना हम सभी का कर्तव्य है। जाति धर्म से ऊपर उठकर इन शहीदों के प्रति कृतज्ञ होकर उन्हें स्मरण करना हम सभी का कर्तव्य है। नोखा विधायक बिहारीलाल बिश्नोई ने कहा कि दलपत सिंह जी हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने नोखा तहसील में भी उनका स्मारक बनाने के लिए सहयोग करने का आश्वासन दिया। अभिमन्यु सिंह राजवी ने कहा कि दलपत सिंह जी जैसे नायकों की स्मृति हमारी धरोहर है जिसे हमें सहेज कर रखना चाहिए। इस अवसर पर अर्जुन अवॉर्डी मगन सिंह राजवी सहित अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विभिन्न खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया गया। प्रताप सिंह पीपासर और सरपंच धर्मवीर सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जाखाना (गुजरात) में प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न

उत्तर गुजरात संभाग के पाटन प्रांत के जाखाना गांव में चार दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 1 से 4 जून की अवधि में संपन्न हुआ। रणजीत सिंह नंदाली ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें हमारे पूर्वजों द्वारा स्थापित परंपराओं का वाहक बनाना चाहता है, वह हमारे जीवन को क्षात्र धर्म के अनुकूल बनाना चाहता है, वर्तमान में समाज में व्याप्त सांस्कृतिक अधःपतन की पीड़ा लेकर संघ हमारे बीच पहुंचा है और इस पीड़ा को हमारे जीवन में भी जगाने का प्रयास कर रहा है। यह पीड़ा लेकर आपको समाज में आगे प्रसारित करनी है क्योंकि अपने पतन की पीड़ा से व्यथित समाज ही उत्थान के मार्ग पर आगे बढ़ सकता है। शिविर में नंदाली, कहोड़ा, कुकराना, गोवना, खारी बावड़ी, पर, मोटी चंदूर, ऊरूमाना, जीतोड़ा, सोजित्रा, जगन्नाथपुरा, मेमदपुर, मोढेरा,

जाखाना, मुंजपुर, वसाई, शंखेश्वर, कणी सहित 31 गांवों के 100 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर में 80 वर्ष से लेकर 4 वर्ष तक की आयु के शिविरार्थी भी उपस्थित थे। जाखाना गांव के शक्तिसिंह, बहादुरसिंह, हरपालसिंह, मंगलसिंह आदि ने समस्त ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। शिविर के दौरान स्नेहमिलन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसमे आसपास के गांवों से क्षत्रिय बंधुओं ने भाग लिया और संघ की कार्य प्रणाली के बारे में जानकारी प्राप्त की। पूज्य श्री तन सिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के बारे में भी जानकारी दी गई। चर्चा के दौरान क्षेत्र में दो और गांवों से शिविर लगाने के प्रस्ताव भी आए। संभागप्रमुख विक्रम सिंह कमाना सहयोगियों सहित शिविर में उपस्थित रहे।

बूठ (बाड़मेर) में जागरण व स्नेहमिलन का आयोजन

बाड़मेर संभाग के गुड़ामालानी प्रांत में पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में 6 जून को संघ के स्वयंसेवक धन सिंह बूठ के आवास पर जागरण कार्यक्रम, स्नेहमिलन व स्नेहभोज का आयोजन किया गया। गुड़ामालानी प्रांत प्रमुख गणपत सिंह बूठ ने उपस्थित समाजबंधुओं को श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय देते हुए कहा कि पूज्य श्री तनसिंह जी ने संघ की स्थापना कर हमें जीवन के वास्तविक उद्देश्य की प्राप्ति के लिए क्षात्रधर्म के पालन का अनूठा मार्ग बताया है। इसी मार्ग पर चलकर संघ पिछले 77 वर्षों से समाज में संस्कार निर्माण का कार्य कर रहा है। उन्होंने सभी को पूज्य श्री तनसिंह जी की जन्म शताब्दी वर्ष की जानकारी देते हुए 28 जनवरी 2024 को दिल्ली में आयोजित होने वाले मुख्य जयंती समारोह में अधिकाधिक संख्या में अपने-अपने गांव से पहुंचने के लिए निवेदन किया।

संपादकीय

जहर उगलें या जहर को पिएं?

जब स्वयं हमारे या हमारे आदर्शों और सिद्धांतों या हमारे सम्मानीय अग्रगामियों व सहयात्रियों के प्रति कुंठा, द्वेष और अहंकार से दुष्प्रेरित तत्वों द्वारा विषवमन किया जाता है तो यह स्वाभाविक ही है कि हमें पीड़ा हो, हमें क्रोध आए और हम उसका प्रत्युत्तर देने को उद्धत हो जाएं। कुतर्कों का सहारा लेकर झूठे आक्षेपों और आलोचनाओं के सहारे जब हमारी निष्ठाओं और विश्वासों का मखौल उड़ाया जाए तब ऐसा करने वालों को ललकार कर उन्हें चुप करा देने वाला आक्रोश हृदय में जगना भी स्वाभाविक है। हमारे परिवार के विरुद्ध जब मर्यादाहीन षड्यंत्र करके हमें नीचा दिखाने के प्रयत्न किए जाए तो इन षड्यंत्रों और षड्यंत्रकारियों को कुचल डालने की हूक उसके मन में उठती ही है जो उस परिवार का सपूत हो। लेकिन केवल हमारे हृदय में उठने वाली पीड़ा, आक्रोश और प्रतिकार का भाव ही सहज स्वाभाविकता नहीं है बल्कि कुंठा, द्वेष और अहंकार का कर्मठतापूर्ण श्रेष्ठता के प्रति जहर उगलना भी स्वाभाविक ही है। ऐसा सदैव होता ही आया है। श्रेष्ठता को धारण करने वाले प्रत्येक व्यक्ति, समूह, संस्था आदि के प्रति नेष्ठता ऐसे कायरतापूर्ण कृत्य किया ही करती है। उदाहरणतः हमारे समाज की महानता से ईर्ष्या करने वाली कुंठित मानसिकता हमारी विशेषताओं, हमारे त्याग और बलिदान, हमारे गौरवशाली इतिहास को झुठलाने का प्रयास करते हुए हमारे विरुद्ध जहर उगलती आई है, और अब भी उगल रही है। श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रति भी ऐसा जहर संघ की यात्रा के प्रारंभ से ही उगला जाता रहा है। लेकिन ध्येयनिष्ठ तपस्वियों के कारवां आक्षेपों और आलोचनाओं से विचलित होकर या उन्हें समाप्त करने के लिए अपने मार्ग नहीं बदला करते। उनके लिए अपना तय किया हुआ मार्ग और अपने लक्ष्य के प्रति निष्ठा सबसे बढ़कर होती है और इसीलिए वे मार्ग में आने वाले समस्त विरोधों के जहर को पीते हुए आगे बढ़ते रहते हैं। जहर उगलने वाले अपना कर्म कर रहे हैं, वे करते रहेंगे। हमारी चिंता तो केवल अपने प्रति ही होनी चाहिए कि हम अपने लक्ष्य और मार्ग के प्रति कितने सच्चे बन सके हैं?

श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें विरोध रूपी जहर को पीने की बात कहता है, आरोपों और आलोचनाओं को सहन करने की बात कहता है क्योंकि जो आज विरोधी हैं, वे कल साथी भी बन सकते हैं। विरोधी को भी साथी बनाने की क्षमता केवल हमारी सहनशक्ति पूर्ण कर्मठता में ही होती है। ऐसा ही पूज्य तनसिंह जी ने किया और इसीलिए उन्होंने लिखा - 'जिसने दिया है जो भी हंसकर लिया है मैंने, प्याले पिए जहर के तेरे समझ के मैंने।' इस मार्ग पर चलते हुए ऐसे अनेकों उदाहरण हमें दिखाई देते हैं कि जो कभी संघ के प्रबल विरोधी थे वे भी सहयोगी बन गए या संघ से सहयोग की आकांक्षा करने लग गए और अपने द्वार पर आए ऐसे प्रत्येक विरोधी को भी संघ ने सहज भाव से स्वीकार ही किया है और ऐसे भी अनेक उदाहरण हैं कि अपनी ही रूढ़ियों और धारणाओं के वशीभूत अनेक साथ चलने वाले विरोधी बन गये। पूज्य तनसिंह जी के मार्ग पर यदि हम चलना चाहते हैं तो हमें भी जहर के बदले जहर उगलने वाला नहीं, बल्कि जहर पीने वाला बनना पड़ेगा। अपने मार्ग पर चलने वाले कर्मठ लोगों के लिए पूज्य तनसिंह जी का स्पष्ट संदेश भी है - 'इस दुनिया में जहर बहुत पी जाने के लिए।' इसलिए इस जहर को पीने की सहनशक्ति हममें होनी ही चाहिए तभी हम श्री क्षत्रिय युवक संघ के मार्ग पर चल सकेंगे। लेकिन यहां एक बात हमें ठीक से समझ लेनी आवश्यक है। सहन करने और स्वीकार करने में बहुत फर्क है। जो विरोधी है वो कभी साथी बन सकता है, यह सत्य है, लेकिन यह भी सत्य है कि आज तो वह विरोधी ही है। भविष्य में उसके साथी बनने की संभावना के लिए उसके विरोध को सहन किया जा सकता है लेकिन उसके लिए उसके आज के विरोधी रूप को आज ही स्वीकार नहीं किया जा सकता। उसके इस रूप के प्रति तो हमारी पूर्ण उपेक्षा और उदासीनता ही होनी चाहिए। उसके आक्षेपों का उत्तर देना, तर्क-वितर्क करना अथवा उससे समझौता वार्ता करना भी हमारी अपने लक्ष्य के प्रति निष्ठा में अपूर्णता का ही परिचायक है। ऐसे विरोधी के प्रति हमारी उपेक्षा ही उसका दंड है और हमारी सहनशक्ति ही उसके आक्षेपों का उत्तर।

यहां हमारे मन में यह प्रश्न भी उठ सकता है कि क्या ऐसे व्यक्तियों को हमें तर्कपूर्ण उत्तर देकर संतुष्ट नहीं करना चाहिए, क्या उनकी गलतफहमियां दूर करने के लिए हमें उन्हें सत्य का ज्ञान नहीं कराना चाहिए? तो इसका उत्तर यही है कि गलतफहमी अथवा जानकारी के अभाव में कोई जहर नहीं उगलता। जहर उगलना व्यक्ति के मन में छिपे दुर्भाव का परिचायक है और इस दुर्भावना को तर्क अथवा जानकारियों से समाप्त नहीं किया जा सकता। इसे तो उनके फैलाए जहर को चुपचाप पीकर अपने लक्ष्य और मार्ग पर डटे रहकर ही समाप्त किया जा सकता है। जहां जीवन भर के साथ और सहयोग का प्रश्न हो, वहां तर्क-वितर्क का कोई महत्त्व नहीं है। यह तो संकल्प और विश्वास की दृढ़ता का विषय है। सच्चा सहयोग इतना सस्ता नहीं होता कि तर्कों-कुतर्कों से या सूचनाओं के संग्रह से जुटाया जा सके। और फिर संसार में ऐसा कौनसा विषय है जिस पर अनंतकाल तक तर्क-वितर्क नहीं किया जा सकता या कौनसी ऐसी सूचनाएं है जो नित बदलती दुनियां में कुछ ही दिनों में पुरानी नहीं पड़ जाती। इसलिए जो तर्कों के जाल और सूचनाओं की बाढ़ में डूबकर ही समाज-जागरण के स्वप्न देखते हैं, उन्हें उनके अभीष्ट पथ पर बढ़ने दें। उन्हें उत्तर देना हमारा काम नहीं। उन्हें और हमें, सभी को उत्तर देने का काम मातृस्वरूपा समाज का है और हमें तो केवल उसी के उत्तर को सुनना और समझना है। जो समाज से अपने को बड़ा और बुद्धिमान समझकर इसके मालिक बनकर समाज को अपने पीछे चलाना चाहते हैं वे समाज की विराटता के सामने स्वयं ही धूल में मिल जाया करते हैं। हमारा मार्ग तो समाज को मातृवत समझकर उसकी सेवा करने का है। इसी मार्ग पर चलते हुए पिछले 77 वर्ष से संघ को निरंतर मातृस्वरूपा समाज का आशीर्वाद प्राप्त होता रहा है और यह आशीर्वाद ही संघ के लिए सहयोग जुटाता आया है, जुटा रहा है और आगे भी जुटाएगा। सामाजिक कार्य के क्षेत्र में तर्क और सूचनाओं का भी एक निश्चित महत्त्व है लेकिन तभी तक जब तक वे हमारे संकल्प के अधीन हो। अन्यथा हम तो बैठे रहेंगे और हमारे तर्क और सूचनाएं चलते रहेंगे। इसलिए हमारा बढ़ने का संकल्प और उस संकल्प से जन्मा कर्म ही महत्त्वपूर्ण है। मार्ग में आने वाले विरोध के जहर को पीना इस संकल्प को प्रबल ही बनाता है। इसलिए आएं, हम यह जहर पीते रहें, चलते रहें और मातृस्वरूपा समाज का सहयोग रूपी आशीर्वाद जुटाकर उसकी सेवा में ही अर्पित करते रहें क्योंकि हमारा कार्य विरोधियों को संतुष्ट करने का नहीं, अपने लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ने का है।

'प्रभात संदेश'

(गतांक से आगे)

उच्च प्रशिक्षण शिविर में माननीय संरक्षक श्री द्वारा 26 भी तक प्रदत्त प्रभात संदेश का संक्षिप्त संपादित अंश विगत अंक में प्रकाशित हो चुका था, इस अंक में शेष रहे 27 से 29 मई तक के प्रभात संदेश का संक्षिप्त संपादित अंश प्रकाशित किया जा रहा है।

27 मई: केसरिया ध्वज हमारे उद्देश्य का प्रतीक है और हमारा उद्देश्य है - क्षात्रधर्म। क्षात्रधर्म आदिकाल से चलता आ रहा है। नारायण ने सृष्टि की रचना करने वाले ब्रह्मा की मधु और कैटभ नाम के दो राक्षसों से रक्षा की। यहीं से क्षात्रधर्म शुरू होता है। मार्कण्डेय पुराण और दुर्गा सप्तशती में भी इसी प्रकार का वर्णन आता है। हमारे शास्त्रों में, वेदों में भी क्षात्रधर्म का वर्णन है। उसी क्षात्रधर्म का पालन करने की हम यहां ट्रेनिंग ले रहे हैं। हमने हमारे धर्म को भुला दिया और इसीलिए हम सदियों से दास बने हुए हैं। उसी क्षात्रधर्म की पुनरावृति करने के लिए हम यहां अभ्यास कर रहे हैं। सारा संसार क्षत्रिय की शरण में ही सुरक्षित रह सकता है। हम तो समाज के चौकीदार हैं, राष्ट्र के चौकीदार हैं और जब चौकीदार सो जाता है तब लूट खसोट मच जाती है। इस सारी अराजकता को हम क्षात्रधर्म का पालन करके ही रोक सकते हैं।

28 मई: जिन लोगों का संकल्प प्रबल होता है, ऐसे लोगों का कोई भी बाधा, कोई भी प्रतिकूलता कुछ नहीं बिगाड़ सकती। हमारी भी यहां परीक्षा है, इसमें हमारा कुछ बिगड़ने वाला नहीं है। थोड़े समय के लिए इस प्रकार की प्रतिकूलता आती है लेकिन नैया को डगमग ना होने दें, पार अवश्य लगेंगे। मंजिल बहुत ज्यादा दूर नहीं है। हमको मजबूत बनना है, हमको बाधाओं से घबराना भी नहीं है। हमें निरंतर बढ़ते जाना है।

29 मई: श्री क्षत्रिय युवक संघ का मार्ग संपूर्ण योग मार्ग है। योग कहते हैं मिलन को। जिससे हम बिछड़े हैं, उस परमात्मा से मिलन। अष्टांग योग के सभी अंग - यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि - श्री क्षत्रिय युवक संघ की साधना में समाये हुए हैं। हमारी सत्ता के स्वामी ने हमको इस पृथ्वी पर कुछ कर्तव्य देकर के भेजा है और वह कर्तव्य ही हमारा धर्म है। श्री क्षत्रिय युवक संघ क्षात्रधर्म का पालन करते हुए पुनः ईश्वर में मिलने का मार्ग है जो पूज्य तनसिंह जी ने हमको बताया है। इस मार्ग पर चलना संपूर्ण समर्पण के बिना संभव नहीं है। यह समर्पण ही योग है।

(पृष्ठ एक का शेष)

प्रो. आर.एस....

प्रोफेसर खंगारोत 'जयगढ़ : द इनविसिबल फोर्ट ऑफ आमेर', 'आमेर जयपुर : ए ड्रीम इन द डेजर्ट' व सवाई जयसिंह द्वितीय की जीवनी आदि पुस्तकों के लेखक हैं। उल्लेखनीय है कि 'ऑर्डे डेस पाल्म्स' अवार्ड 1808 में फ्रांस के सम्राट नेपोलियन बोनापार्ट द्वारा प्रारंभ किया गया था।

धर्मेन्द्रसिंह...

मूल रूप से झुंझुनू जिले की उदयपुरवाटी तहसील के बड़ागांव निवासी धर्मेंद्र सिंह पूर्व में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन में भी निदेशक के रूप में सेवाएं दे चुके हैं।

अर्जुनसिंह...

उनकी इस उपलब्धि ने ग्रामवासियों और समाजबंधुओं को गौरवान्वित किया है। अर्जुन सिंह के भाई इंदर सिंह राठौड़ मारवाड़ राजपूत सभा सोजत के अध्यक्ष है।

पूज्य श्री तनसिंह जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में चितौड़गढ़ जिले में महादेव मन्दिर धीनवा (निंबाहेड़ा) में विशेष साप्ताहिक शाखा 4 जून को आयोजित की गई। केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली के निर्देशन में जोगेंद्र सिंह छोटा खेड़ा द्वारा हवन करवाया गया। वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया द्वारा संघ का परिचय कराया गया तथा वर्तमान में संघ की आवश्यकता और महत्त्व पर प्रकाश डाला गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के आगामी प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर धोलागढ़ महादेव सलूंबर (13 से 16 जून), कैलाश पुरी एकलिंग जी (17 से 20 जून) तथा नगरी (बस्सी) में होने वाले बाल शिविर तथा 18 जून को बड़ी सादड़ी में आयोजित होने वाले झाला मन्ना के बलिदान दिवस के बारे में भी जानकारी दी गई। इस दौरान स्वयंसेवक व स्थानीय समाजबंधु उपस्थित रहे। 4 जून को ही बांसवाड़ा जिले के चिरावाला गड़ा गांव में भी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त विशेष शाखा का आयोजन हुआ। जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में ही गुजरात के बनासकांठा प्रांत में दांता तहसील के मोटासडा गांव स्थित श्री द्वारकाधीश उच्च माध्यमिक पाठशाला में 27 मई को एक बैठक आयोजित की गई। प्रांत प्रमुख अजीत सिंह कुणघेर ने श्री क्षत्रिय युवक संघ एवं पूज्य श्री तनसिंह जी का परिचय देते हुए जन्म शताब्दी वर्ष के बारे में जानकारी प्रदान की। मोटासडा, महोबतगढ़ व अन्य गांवों से समाज बंधु उपस्थित रहे। इसी प्रकार की एक बैठक दांता में रखने का भी निर्णय किया गया। रामसिंह धोता सकलाणा व अन्य सहयोगी इस दौरान उपस्थित रहे। जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त मध्य गुजरात संभाग के चरोतर प्रांत के गांव वडोद की शाखा के स्वयंसेवकों और स्थानीय राजपूत समाजबंधुओं द्वारा 4 जून को एक कार्यक्रम रखा गया जिसमें गांव के कक्षा 1 से 12 तक के सभी विद्यार्थियों को नोटबुक का निशुल्क वितरण किया गया। इस दौरान चरोतर प्रांत प्रमुख अरविंदसिंह कानेटी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

11 जून को जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में विशेष रविवारीय शाखाएं चारभुजा मंदिर चरपोटिया (भदेसर) एवं रावला परिसर जलोदा जागीर (बड़ी सादड़ी) में आयोजित की गई। चरपोटिया में आयोजित शाखा में नरेंद्र सिंह नरधारी के निर्देशन में सूर्यकरण सिंह अकोलागढ़ द्वारा यज्ञ में आहुतियां दिलवाई गई। उदय सिंह चरपोटिया ने संघ के बारे में अपने पुराने संस्मरण सुनाए तथा क्षत्रिय इतिहास के बारे में जानकारी दी। इस दौरान संघ साहित्य, पताका वितरण, संघशक्ति-पथप्रेरक के सदस्य बनाने के साथ ही यथार्थ गीता भी उपस्थित जनों को भेंट की गई। जलोदा जागीर रावला परिसर में आयोजित शाखा में केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली ने संघ और पूज्य तनसिंह जी का परिचय दिया। वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

(पृष्ठ एक का शेष)

आप पायनियर्स...

हमारा अनुशासन केवल दिखाने के लिए, प्रदर्शन के लिए नहीं है। पाखंडी लोग ही प्रदर्शन किया करते हैं। हम असल में इस संसार में सुख, समृद्धि और शांति को उतार ले आएंगे, ऐसा दृढ़ संकल्प हमने लिया है। कभी हमारे दिलों में जो दरारे पड़ गई थीं, उनको पाटने का हम प्रयत्न कर रहे हैं। समय अवश्य लगेगा क्योंकि दुनिया का प्रवाह विपरीत है। उसको मोड़ना, रास्ते पर लाना काफी कठिन है लेकिन असंभव नहीं है। यह हमने अपने अंतर में घटते हुए देखा है। हम कोई महापुरुष, कोई देवदूत नहीं हैं, किंतु हमने इस शिविर में हमारे अंतःकरण में होने वाले बदलाव को देखा है और इन आशाओं को लिए हुए हम यहां से जा रहे हैं कि जिस प्रकार से हमारे अंदर बदलाव हो रहा है, हम संसार में भी वह बदलाव अवश्य करेंगे। यही हमारा संकल्प है, यही हमारी दृढ़ प्रतिज्ञा है। हम यहां से उस वातावरण में जाएंगे जो गंदला है, जो दूषित है, अंधकार से पटा हुआ है लेकिन मैं अनुभव कर रहा हूं कि जहां आप होंगे, वहां से अंधकार भाग जाएगा और प्रकाश हो जाएगा क्योंकि आप प्रकाश पुंज हैं।

अभिमन्यु सिंह को मिला स्वर्ण पदक

नागौर जिले के सानिया गांव निवासी अभिमन्यु सिंह राठौड़ पुत्र तेजपाल सिंह ने भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून में 10 जून 2023 को हुई पासिंग आउट परेड में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। साथ ही उन्हें बेस्ट इन ऑफिसर्स क्वालिटी तथा बेस्ट इन मिलिट्री टैक्टिक्स का पुरस्कार भी मिला। अभिमन्यु सिंह ने मात्र 21 वर्ष की आयु में भारतीय सेना की कोर ऑफ इंजीनियर्स में स्थाई कमीशन प्राप्त किया है। अभिमन्यु सिंह ने कक्षा 12 में अध्ययनरत रहते हुए प्रथम प्रयास में ही एनडीए परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर दूसरी रैंक प्राप्त की थी तथा एनडीए खड़कवासला में प्रवेश प्राप्त किया। एनडीए से पासिंग आउट होने के दौरान उन्होंने परेड को कमांड किया तथा राष्ट्रपति स्वर्ण पदक तथा बेस्ट आर्मी कैडेट का सम्मान प्राप्त किया।

प्रियंका सिंह बनी न्यायाधीश

उत्तरप्रदेश के बस्ती जिला के बेमहरी हरैया गांव की मूल निवासी प्रियंका सिंह पुत्री अरविंद सिंह महाराष्ट्र न्यायिक सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त करके न्यायाधीश बनी है। मुंबई के चेंबूर इलाके के साईं बाबा नगर स्थित झोपड़पट्टी में रहने वाली प्रियंका के पिता ने ऑटो रिक्शा चलाकर अपने बच्चों को पढ़ाया। प्रियंका इससे पूर्व भारतीय रिजर्व बैंक में लॉ एंड रिसर्च एनालिस्ट की प्रतिष्ठित भूमिका के लिए भी चुनी जा चुकी है।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

विभिन्न संभागों व प्रांतों में कार्ययोजना बैठकें संपन्न

(पेज दो से लगातार) श्री प्रताप फाउंडेशन के बारे में हीर सिंह लोड़ता ने जानकारी दी तथा चुनावी वर्ष में समाज के जनप्रतिनिधियों की तहसील व जिला स्तरीय बैठकों की योजना बनायी गई। संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

नोखा-कोलायत प्रांत की कार्ययोजना बैठक 10 जून को

श्री करणी राजपूत छात्रावास नोखा में आयोजित हुई जिसमें संभाग प्रमुख रेवंत सिंह जाखासर सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। बैठक में पूज्य श्री तनसिंह जी की सौवीं जयंती पर नोखा क्षेत्र से अधिकाधिक समाजबन्धुओं की भागीदारी का लक्ष्य तय किया गया तथा इसके लिए सभी गाँवो में सम्पर्क की योजना बनाई गई। जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी प्रान्त प्रमुख करणी सिंह भेलू द्वारा दी गई। सितम्बर माह में ढिंगसरी में लगने वाले शिविर के संबंध में भी चर्चा भी की गई। प्रताप सिंह पीपासर, राम सिंह चरकड़ा, राणीदान सिंह सारुण्डा ने प्रत्येक गाँव से दिल्ली चलने के लिए सम्पर्क करने का जिम्मा लिया। प्रेम सिंह कांकरिया, लाल सिंह ढिंगसरी, उम्मेद सिंह नोखा गाँव, भंवर सिंह मोरखाना, राजेंद्र सिंह भादला, शैतान सिंह दांतीना, अनोप सिंह भादला, मदन सिंह चिमाना, नारायण सिंह शोभाणा आदि को भी विभिन्न उत्तरदायित्व सौंपे गए।

अजमेर प्रांत की एक दिवसीय कार्ययोजना बैठक दिव्यज्ञान

शिक्षण संस्थान नागोला में 11 जून को आयोजित की गई जिसमें संघ के कार्य में सक्रिय रूप से सहयोग देने वाले सहयोगी उपस्थित रहे। प्रांतप्रमुख विजयराज सिंह जालिया ने जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त होने वाली गतिविधियों के बारे में बताते हुए अधिकाधिक स्थानों पर संघ की शाखा लगाकर पूज्य तनसिंह जी का संदेश पहुंचाने की बात कही। बैठक में इस वर्ष इस लगने वाले शिविरों व महापुरुषों की जयंतियां मनाने पर चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रांत के विभिन्न क्षेत्रों से आए स्वयंसेवकों व सहयोगियों ने भी अपने विचार रखे।

मुंबई प्रांत की वार्षिक कार्ययोजना बैठक भी 11 जून को

भायंदर में रखी गई। बैठक में सत्र 2023-2024 हेतु संघकार्य की रूपरेखा पर चर्चा की गई, साथ ही जन्म शताब्दी समारोह में मुंबई से अधिक से अधिक लोगो को दिल्ली ले जाने हेतु स्वयंसेवकों को जिम्मेदारी दी गयी। संभाग प्रमुख नीरसिंह सिंघाना व प्रांत प्रमुख रणजीतसिंह आलासन सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

नागौर संभाग का संभागीय स्नेहमिलन कुचामन में संपन्न

साधना संगम संस्थान के तत्वावधान में श्री क्षत्रिय युवक संघ के नागौर संभाग का दो दिवसीय स्नेहमिलन कुचामन स्थित कार्यालय आयुवान निकेतन में 3-4 जून को रखा गया। 3 जून को सायंकालीन प्रार्थना से प्रारंभ स्नेहमिलन में संभाग प्रमुख शिंभू सिंह आसरवा के निर्देशन में पूरे वर्ष की कार्ययोजना तैयार की गई। शिविर, शाखा, संपर्क यात्रा, पूज्य तन सिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त कार्यक्रम आदि बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। 4 जून को प्रातः कालीन सत्र में 28 जनवरी 2024 को पूज्य तनसिंह जी की 100वीं जयंती पर दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम के लिए दायित्व सौंपे गए। इस अवसर पर कार्यालय प्रभारी भगवत सिंह सिंघाना, साधना संगम संस्थान के अध्यक्ष बाबू सिंह नगवाड़ा, हुकम सिंह, दीपेन्द्र सिंह, उगम सिंह, विक्रम सिंह, नत्थू सिंह , जय सिंह, रणजीत सिंह, अजय सिंह, जनकपाल सिंह, दशरथ सिंह, नविन्द्र सिंह, युवराज सिंह, सुनील सिंह, शिवराज सिंह आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

मेवाड़-मालवा एवं मेवाड़-वागड़ संभागों की संयुक्त वर्चुअल बैठक

श्री क्षत्रिय युवक संघ के मेवाड़-मालवा एवं मेवाड़-वागड़ संभागों के स्वयंसेवकों की वर्चुअल बैठक 1 जून को रात्रि 8:30 से 9:30 बजे तक आयोजित की गई। मेवाड़-मालवा संभाग प्रमुख बृजराज सिंह खारड़ा ने बैठक की भूमिका बताई। केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली व वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया भी बैठक में उपस्थित रहे। बैठक में सभी प्रांत प्रमुखों को अपने-अपने प्रांत में प्रांतीय बैठकें आयोजित करने का निर्देश दिया गया, साथ ही शताब्दी वर्ष के निमित्त कार्यक्रमों के आयोजन, प्रचार प्रसार, शिविरों, शाखाओं आदि के लिए कार्य योजना तैयार की गई। संघ सहयोगियों का तीन दिवसीय शिविर चित्तौड़गढ़ में आयोजित करने का भी निर्णय किया गया। मेवाड़-वागड़ संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला ने जून माह में आयोजित होने वाले शिविरों व अन्य कार्यक्रमों की जानकारी दी।

नारायण निकेतन (बीकानेर) में वार्षिक कार्ययोजना बैठक संपन्न

श्री क्षत्रिय युवक संघ के बीकानेर स्थित संभागीय कार्यालय नारायण निकेतन में 4 जुन को बीकानेर संभाग की कार्ययोजना बैठक का आयोजन हुआ। संभाग प्रमुख रेवंत सिंह जाखासर द्वारा उच्च प्रशिक्षण शिविर में दिए गए निदेशों के बारे में जानकारी दी गई तथा पूरे सत्र की कार्ययोजना तय कर दायित्व सौंपे गए। आगामी शिविरों के प्रस्ताव, पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष, स्नेहमिलन, शाखा व शिविर, संपर्क यात्राएं आयोजित करने आदि बिंदुओं पर चर्चा की गई। कार्ययोजना बैठक में लिए गए निर्णय के अनुरूप 8 जून को बीकानेर के महिला मंडल स्कूल में एक बैठक आयोजित की गई जिसमें बीकानेर से 5000 लोगों को पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह में दिल्ली ले जाने के लिए दो विशेष रेलगाड़ी की व्यवस्था का निर्णय किया गया। बैठक में संभाग प्रमुख रेवंत सिंह जाखासर एवं संघ के आनुषंगिक संगठनों श्री प्रताप फाउंडेशन, श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन और प्रताप युवा शक्ति की बीकानेर इकाइयों के सदस्य सम्मिलित हुए।

श्री दुर्गा महिला संस्थान में हुई शेखावाटी संभाग की बैठक

श्री क्षत्रिय युवक संघ के शेखावाटी संभाग की संभागीय बैठक सीकर के नाथावतपुरा गांव में स्थित श्री दुर्गा महिला संस्थान में आयोजित किया गया। 4 जून को आयोजित बैठक में पूज्य श्री तनसिंह जी शताब्दी वर्ष को लेकर प्रचार-प्रसार के साथ-साथ सीकर, चूरू व हरियाणा प्रान्त में शिविर व शाखाओं के बारें में संभाग प्रमुख खींव सिंह सुल्ताना ने उपस्थित सहयोगियों के साथ चर्चा की तथा तदनुरूप दायित्व सौंपे गए।

जयपुर ग्रामीण शाखा में मनाया अधिकतम संख्या दिवस

जयपुर ग्रामीण दक्षिण पश्चिम प्रान्त के नांगललाडी की साप्ताहिक शाखा में अधिकतम संख्या दिवस सम्भाग प्रमुख राजेन्द्र सिंह बोबासर की उपस्थिति में मनाया गया। बोबासर ने शाखा के बालकों को ध्रुव की कहानी सुनाते हुए शाखा व संघ के महत्व के बारे में समझाया। शाखा के शिक्षण प्रमुख हनुमान सिंह नांगललाडी ने शाखा का संचालन किया। प्रान्त प्रमुख देवेन्द्र सिंह बरवाली ने शताब्दी वर्ष के बारे में जानकारी दी। प्रवीण सिंह विजयपुरा, मनोहर सिंह जालिम सिंह का बास, जोगेन्द्र सिंह सांवरदा, झब्बर सिंह, उम्मेद सिंह व भंवर सिंह नांगललाडी, दुर्गा सिंह व भंवर सिंह बिचपडी, श्याम सिंह बुगालिया, शिवराज सिंह पुनाना सहित अनेकों सहयोगी शाखा में उपस्थित रहे।

10वीं और 12वीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली समाज की प्रतिभाएं

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा हाल ही में 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए गए हैं। इनमें 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले **समाज के कुछ छात्र-छात्राओं के नाम एवं प्राप्तांक हमें पाठकों द्वारा भेजें गये हैं, उन्हें यहां प्रकाशित किया जा रहा है, शेष का प्राप्त होने पर अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा।** पथप्रेरक परिवार इन सभी को हार्दिक बधाई देते हुए इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

कक्षा-10वीं

क्र.सं.	नाम/पिता का नाम	निवास	प्राप्तांक
1.	ठाकुर सिंह पुत्र प्रहलाद सिंह	सुरा (बाड़मेर)	95.17 प्रतिशत
2.	ममता कंवर पुत्री बिजेंदर सिंह	दुलेरी (चुरू)	90.33 प्रतिशत
3.	दिलीप सिंह पुत्र पन्ने सिंह	भाटियों की ढाणी (नागौर)	92.50 प्रतिशत
4.	उज्ज्वल राठौड़ पुत्र सुरेंद्र सिंह	गेमलियावास (नागौर)	96.00 प्रतिशत
5.	प्रवीण सिंह पुत्र मोहन सिंह	मुंदियाड़	94.20 प्रतिशत
6.	मनवीर सिंह पुत्र सूरज सिंह	कोलिया (डीडवाना)	93.17 प्रतिशत
7.	जयश्री राठौड़ पुत्री हुकम सिंह	आसरवा (नागौर)	93.67 प्रतिशत
8.	भूमिका कंवर पुत्री अर्जुन सिंह राठौड़	कुड़ली (डीडवाना)	97.17 प्रतिशत
9.	यशवर्धन सिंह पुत्र रविंद्र प्रताप सिंह	आसरवा (नागौर)	92.50 प्रतिशत
10.	गुंजन कंवर पुत्री मनोहर सिंह	धुड़ीला (नागौर)	93.67 प्रतिशत
11.	करण प्रताप सिंह पुत्र बदन सिंह राठौड़	जोगलिया (चुरू)	92.67 प्रतिशत
12.	मोहित सिंह पुत्र खेत सिंह राठौड़	हरनावा (नागौर)	91.83 प्रतिशत
13.	प्रियांशु सिंह पुत्र हिम्मत सिंह हाडा	छावनी बोरदा	90.00 प्रतिशत
14.	वीरेंद्र सिंह पुत्र भंवर सिंह हाडा	छावनी बोरदा	95.83 प्रतिशत
15.	छैलेंद्र सिंह पुत्र हरी सिंह	रणधा (जैसलमेर)	94.67 प्रतिशत
16.	नेहा राठौड़ पुत्री नरेंद्र सिंह	नाथावाड़ी (नागौर)	92.50 प्रतिशत
17.	रौनक भाटी पुत्री महिपाल सिंह	नेवरा (जोधपुर)	91.00 प्रतिशत
18.	दिव्या कंवर पुत्री आनन्द सिंह	नाथावतपुरा (सीकर)	91.00 प्रतिशत
19.	हर्षिता चांपावत पुत्री गोविंद सिंह	पीलवा (जोधपुर)	95.00 प्रतिशत
20.	प्रिया राठौड़ पुत्री दीपेन्द्र सिंह	देवराठी (नागौर)	93.00 प्रतिशत

कक्षा-12वीं

क्र.सं.	नाम/पिता का नाम	निवास	प्राप्तांक
1.	लोकेंद्र सिंह पुत्र हुकम सिंह,	शिव (बाड़मेर)	93.00 प्रतिशत (विज्ञान वर्ग)
2.	हरी कृष्ण सिंह पुत्र वीर बहादुर सिंह	तारानगर (चुरू)	94.20 प्रतिशत (विज्ञान वर्ग)
3.	आस्था कंवर पुत्री वीर बहादुर सिंह,	तारानगर (चुरू)	92 प्रतिशत (विज्ञान वर्ग)
4.	मूमल कंवर पुत्री वीर तेजपाल सिंह राठौड़	सारायण (चुरू)	93.20 प्रतिशत (कला वर्ग)
5.	लक्षिता राठौड़ पुत्री जसपाल सिंह	सापणी (जालौर)	95.50 प्रतिशत (कला वर्ग)
6.	दुर्गा कंवर पुत्री मेघ सिंह भाटी	बेरासर (बीकानेर)	91.20 प्रतिशत (कला वर्ग)
7.	भूपेंद्र सिंह पुत्र प्रताप सिंह राठौड़	पडलिया (अजमेर)	92.00 प्रतिशत (विज्ञान वर्ग)
8.	उजाला कंवर पुत्री बजरंग सिंह मेड़तिया	नावद (नागौर)	95.60 प्रतिशत (कला वर्ग)
9.	मनीषा कंवर पुत्री भंवर सिंह	नारवा खिंचीयान (जोधपुर)	93.40 प्रतिशत (विज्ञान वर्ग)
10.	कुमकुम कंवर पुत्री उम्मेद सिंह	खारीकर्मसोता (नागौर)	92.60 प्रतिशत (कला वर्ग)
11.	गायत्री राठौड़ पुत्री किशोर सिंह	गांवड़ी (डीडवाना)	93.80 प्रतिशत (कला वर्ग)
12.	अभिषेक राठौड़ पुत्र नरेंद्र सिंह	जुसरिया (नागौर)	90.40 प्रतिशत (विज्ञान वर्ग)
13.	निकिता कंवर पुत्री उम्मेद सिंह	चुवाद (नागौर)	98.00 प्रतिशत (कला वर्ग)
14.	श्याम सिंह राठौड़ पुत्र झब्बर सिंह	खोजास (नागौर)	90.60 प्रतिशत (कला वर्ग)
15.	ऋषिराज सिंह पुत्र रिंकू सिंह शेखावत	जुसरिया (नागौर)	95.60 प्रतिशत (विज्ञान वर्ग)
16.	अंजलि कंवर पुत्री श्याम सिंह	गैलासर (नागौर)	93.40 प्रतिशत(विज्ञान वर्ग)
17.	एकता राठौड़ पुत्री विजय सिंह	कालवा छोटा (नागौर)	92.20 प्रतिशत (कला वर्ग)
18.	धर्मेंद्र सिंह पुत्र भागीरथ सिंह राठौड़	जोगलिया (नागौर)	91.33 प्रतिशत (विज्ञान वर्ग)
19.	नीरज राठौड़ पुत्र ताजू सिंह	नंगवाड़ा खुर्द (नागौर)	95.20 प्रतिशत (विज्ञान वर्ग)
20.	गजेंद्र सिंह पुत्र प्रभु सिंह	डाबड़ा (नागौर)	92.00 प्रतिशत(कृषि विज्ञान वर्ग)
21.	मानवेंद्र सिंह पुत्र स्वरूप सिंह	सिडहार (जैसलमेर)	91.20 प्रतिशत (कला वर्ग)
22.	दुर्जन सिंह पुत्र नारायण सिंह	सिडहार (जैसलमेर)	92.20 प्रतिशत (कला वर्ग)
23.	दीपिका कंवर पुत्री नाथू सिंह शेखावत	किरडोली बड़ी (नागौर)	92.60 प्रतिशत (विज्ञान वर्ग)
24.	रावल कंवर पुत्री स्वरूप सिंह	रामदेवरा (जैसलमेर)	96.68 प्रतिशत (विज्ञान वर्ग)
25.	कमलेश राठौड़ पुत्री हुकम सिंह	आसोप (जोधपुर)	93.40 प्रतिशत (विज्ञान वर्ग)

कमल सिंह मेहराजोत ने प्राप्त किया भारत में 9वाँ स्थान

जैसलमेर जिले के मेहराजोत गांव के निवासी कमल सिंह भाटी भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद हेतु चयनित हुए हैं। उन्होंने भारतीय सेना के एसीसी कमीशन द्वारा आयोजित परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर नौवां स्थान प्राप्त किया है। भाटी पिछले चार सालों से भारतीय सेना की इएमई कॉर्प्स में हेलीकॉप्टर के टेक्नीशियन के रूप में 3013 मेंटेनेंस फ्लाइट हल्द्वानी उत्तराखंड में सेवाएं दे रहे हैं। कमल सिंह के पिता जेतमाल सिंह भी सेना से सेवानिवृत्त है एवं उनके बाबोसा उत्तम सिंह भी सेना में रहते हुए 1990 में श्रीलंका में मिशन पवन के दौरान शहीद हुए थे।

रचना परमार ने एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

किर्गिस्तान के बिश्केक में आयोजित एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में हरियाणा के पंवार बेल्ट के गांव बौंदखुर्द की निवासी रचना परमार पुत्री अजीत सिंह ने स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 11 जून को 40 किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल मुकाबले में जापान की पहलवान को 8-2 से हराया। रचना दसवीं कक्षा की छात्रा है तथा इनकी माता क्षमा रानी गांव की सरपंच है।

101 वर्षीय सेवानिवृत्त कर्नल शिवजी सिंह का निधन

नागौर जिले की मूंडवा पंचायत समिति के सैनणी गांव के निवासी सेवानिवृत्त कर्नल शिवजी सिंह राठौड़ का निधन 101 वर्ष की आयु में 11 जून को हो गया। शिवजी सिंह ने द्वितीय विश्वयुद्ध सहित अनेक सैन्य अभियानों में भाग लिया था। इनके पिता सरदार सिंह चांदावत जोधपुर रिसाला रेजिमेंट के बहादुर योद्धा रहे हैं जिन्होंने प्रथम विश्वयुद्ध के समय हाईफा अभियान में अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया था। शिवजी सिंह 1941 में कोटा उम्मेद इन्फेंट्री रेजीमेंट में सेकंड लेफ्टिनेंट के पद पर सेना में नियुक्त हुए। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इराक, ईरान और सीरिया आदि देशों में ब्रिटिश सेना की ओर से लड़ाई लड़ी। 1965 में भारत-पाक युद्ध के दौरान कर्नल राठौड़ ने रायचंदेवाला (जैसलमेर) चौकी पर कमांडिंग लेफ्टिनेंट कर्नल के पद पर रहते हुए पाक सेना को खदेड़ कर पाकिस्तान की चौकियों पर कब्जा कर लिया था। इसके लिए कर्नल की यूनिट को दो वीर चक्र, सेना मेडल और पांच वीरता पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 1962 के भारत-चीन युद्ध एवं 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भी अपनी सेवाएं दीं।

(पृष्ठ एक का शेष)

पति-पत्नी के...लोग व्यापार, नौकरी, विवाह इत्यादि सुख की प्राप्ति के लिए करते हैं मगर तृष्णा एक कभी ना प्राप्त होने वाली चीज है। हमारा सच्चा मित्र तो आनंद होता है और जब आनंद का आगमन होता है तो समस्त प्रकार की तृष्णाएं शांत हो जाती हैं। श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें आनंद प्रदान करने की अनूठी प्रणाली है। हमें अपनी कामनाओं और तृष्णाओं को शांत करके परमेश्वर की प्राप्ति के रास्ते पर चलना है तो इस आनंददायी प्रणाली के अनुरूप अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते जाएं, आपको असीम आनंद की प्राप्ति होगी। संरक्षक श्री ने कहा कि समाज की विराटता का दर्शन करने के लिए 28 जनवरी 2024 को नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आने का मैं आपको दंपती सहित निमंत्रण दे रहा हूं। आप समाज के उस विराट रूप के साक्षी जरूर बनें, साथ ही अपनी संतान को भी श्री क्षत्रिय युवक संघ से जरूर जोड़ें। 8 से 11 जून तक आयोजित इस शिविर में कुल 56 दंपती जोड़ों ने भाग लिया। माननीय संरक्षक श्री के सान्निध्य में संपन्न इस शिविर का संचालन संघ के मातृशक्ति प्रकोष्ठ के प्रभारी जोरावर सिंह भादला ने किया। माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास भी शिविर में उपस्थित रहे। शिविरार्थी दम्पतियों को वरिष्ठ स्वयंसेवक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी का सपत्नीक सान्निध्य मिला।

क्षात्रधर्म की उज्जवल परंपराओं के निर्वाहक थे पृथ्वीराज चौहान

(जोधपुर में समारोहपूर्वक मनाई सम्राट पृथ्वीराज चौहान की 857वीं जयन्ती)

देश, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले क्षत्रियों के बलिदान की लंबी परंपरा रही है। पीठ दिखाने वाले शत्रु पर वार नहीं करने की उदारता, धर्म सम्मत सिद्धांतों से युद्ध करना आदि क्षत्रिय इतिहास का स्वर्णिम पक्ष रहा है। आदि काल से चली आ रही इन उज्ज्वल परंपराओं का निर्वहन सम्राट पृथ्वीराज चौहान ने किया जो आज भी गर्व करने का विषय है। उपर्युक्त बात सोमेश्वर गिरी जी महाराज ने सम्राट पृथ्वीराज चौहान की 857वीं जयंती के अवसर पर जोधपुर स्थित श्री हनुमंत गार्डन में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि धर्म के बिना जीवन का कोई अर्थ नहीं रह जाता, इसलिए अपने धर्म पर सदैव दृढ़ रहना चाहिए। प्रोफेसर अजितेंद्र सिंह (हरियाणा) ने इतिहास की विसंगतियों की ओर ध्यान आकृष्ट किया और इस क्षेत्र में नए शोध करने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही कहा कि युवा पीढ़ी को इतिहास को जानने और गर्व करने के साथ ही उससे प्रेरणा लेकर वर्तमान की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयार होना चाहिए। पंकज कुमार सिंह (मंडल रेल प्रबंधक) ने कहा कि पृथ्वीराज जी जैसे महापुरुषों के जीवन से हमें आज भी प्रेरणा मिलती है। इतिहास के गौरवशाली अध्यायों के अध्ययन से ही वर्तमान और भविष्य के बेहतर निर्माण की राह प्रशस्त होती है। पूर्व महाराजा रतलाम राम लक्ष्मण सिंह ने क्षत्रिय समाज में आपस में बड़े-छोटे के भेद को मिटाने पर बल दिया और कहा कि आज एकता ही सबसे बड़ी शक्ति है। हनुमान सिंह खांगटा, करण सिंह उचियारड़ा, शंभू सिंह खेतासर, डॉ. शिव सिंह राठौड़, गुलाब सिंह पिपरली, पूर्व सांसद नारायण सिंह माणकलाव, वीरेंद्र प्रताप सिंह पाल, महेंद्र सिंह सर, चक्रवर्ती सिंह राखी जोजावर, राव नटवर सिंह कल्याणपुर ने भी अपने विचार रखे। समारोह में 101 युवाओं ने सम्राट पृथ्वीराज की स्मृति में रक्तदान किया। राजबहादुर सिंह सिलारी ने रक्तदान शिविर की व्यवस्था संभाली। समारोह में 1 जून से 7 जून तक हुई प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले समाजबंधुओं को भी सम्मानित किया गया। संस्था का प्रतिवेदन एडवोकेट राजेंद्र सिंह पीपरली ने प्रस्तुत किया व आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन श्याम सिंह सजाड़ा ने किया। समारोह में अनेक गणमान्य व्यक्ति व समाजबंधु उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में 11 जून को दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में। पृथ्वीराज चौहान जयंती समारोह का आयोजन किया गया। संस्था के अध्यक्ष राजा मानवेंद्र सिंह (पूर्व केंद्रीय मंत्री) एवं दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष उदय वीर चौहान द्वारा आयोजित समारोह में बूँदी के वंश वर्धन सिंह, छत्तीसगढ़ से प्रबल प्रताप सिंह जुदेव, जैसलमेर से खेमेन्द्र सिंह, बाड़मेर से विक्रम सिंह, त्रिभुवन सिंह, जयपुर से चंद्रमौलि सिंह, जमशेदपुर से शूलपाणि सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति एवं संस्थान के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे। सभी के द्वारा इतिहास के महान योद्धा सम्राट पृथ्वीराज चौहान को याद किया गया और उन्हें नमन किया।

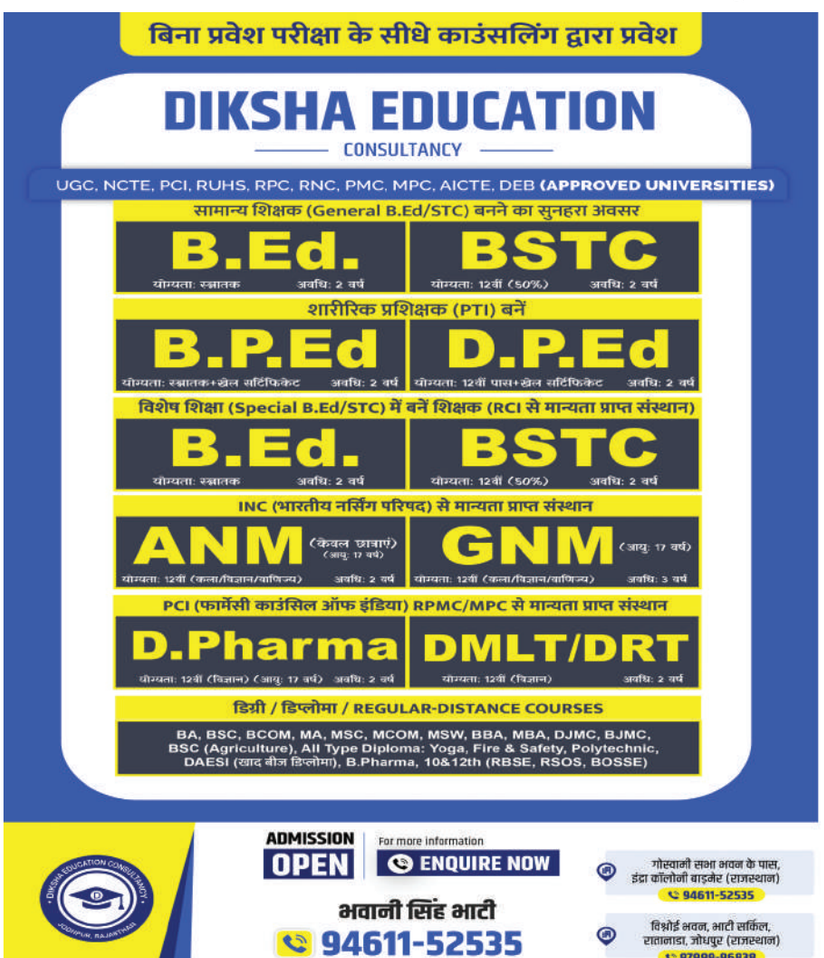

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाष: 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org